हरिभूमि

रेवाड़ी भूमि

रोहतक, मंगलवार, 30 सितंबर , 2025

तापमान

अधिकतम 37 .0 डिग्री

न्यूनतम 22 .4 डिग्री

11 महिला सशक्तिकरण को साकार रूप देने के लिए समाज में व्यापक बदलाव की जरूरत: एएसआई

12 अब प्रत्येक पांच माह में ड्रा के माध्यम से तहसील व उप तहसील में लगेंगे रजिस्ट्री क्लर्क

खबर संक्षेप

मारपीट मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। सिटी पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अस्पताल में उपचाराधीन घायल के बयान पर गत 27 सितंबर को आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने शिव कॉलोनी निवासी दीपक और यादव नगर निवासी नवीन को गिरफ्तार कर लिया। बाद में तफ्तीश में शामिल करते हुए दोनों आरोपियों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

सड़क हादसे का आरोपी चालक गिरफ्तार

बावल। पुलिस ने सड़क हादसे के बाद फरार हुए गए वाहन चालक को गिरफ्तार किया है। बनीपुर चौक के पास हुए हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया था। इस हादसे में एक व्यक्ति घायल हो गया था। पुलिस ने 21 सितंबर को आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया था। इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने राजस्थान के पसोला निवासी मोहम्मद तारीक को गिरफ्तार कर लिया। बाद में उसे पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

दहेज उत्पीड़न मामले में गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने दहेज की मांग पर विवाहिता से मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने विवाहिता की ओर से गत वर्ष एक शिकायत दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच बातचीत से समझौता कराने के प्रयास किए थे। समझौता नहीं होने पर 27 जून को केस दर्ज किया गया था। पुलिस ने यूपी के चरवानी निवासी विक्रांत को गिरफ्तार कर लिया। बाद में आरोपी को बेल पर रिहा कर दिया गया।

पोक्सो एक्ट की आरोपी को जमानत नहीं

रेवाड़ी। सिटी पुलिस की ओर से पोक्सो एक्ट के तहत गिरफ्तार की गई युवती को कोर्ट से जमानत नहीं मिली। युवती पर आरोप है कि वह अपने से कम उम्र के किशोर को बहला-फुसलाकर भगा ले गई थी। परिजनों ने किशोर के लापता होने का केस दर्ज कराया था। बाद में पुलिस ने लड़के को बरामद कर लिया था। उसके बालिग होने में कुछ माह का समय शेष बताया जा रहा है। पुलिस ने युवती को गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश किया, उसे जमानत नहीं मिलने के कारण जेल भेज दिया गया।

लोड बढ़ने से कटों का सामना कर रहे लोग

डहीना। गत दिनों डहीना पावर सब स्टेशन को बुड़ौली से जोड़ने वाली ट्रांसमिशन लाइन में आई तकनीकी खराबी के कारण इस पावर हाउस की बिजली सप्लाई महेंद्रगढ़ से कर दी थी। महेंद्रगढ़ में इससे ओवरलोडिंग की समस्या बन गई। अभी तक सप्लाई महेंद्रगढ़ से ही चल रही है, जिस कारण शाम के समय डहीना सब स्टेशन से जुड़े कई गांवों के लोगों को पावर कटों का सामना करना पड़ रहा है।

सरकुलर रोड पर बैंकों व अस्पतालों के पास नहीं अपनी पार्किंग, फुटपाथ पर पूरी तरह किया हुआ कब्जा

शहर की सड़कों पर अवैध पार्किंग बनी आफत
सरकुलर रोड पर जाम से बिगड़ रहे हालात

प्रशासन की ओर से न तो अतिक्रमण हटाने की दिशा में कदम उठाएं जा रहे और न ही सड़कों पर खड़े होते अवैध वाहनों पर शिकंजा कसा जा रहा लोगों की परेशानी बढ़ रही हैं।

रेवाड़ी। सरकुलर रोड पर कानोड गेट तक लगा वाहनों का जाम। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

शहर के सरकुलर रोड पर अवैध पार्किंग से व्यवस्था पूरी तरह बिगड़ चुकी है। यही हाल शहर के मुख्य बाजार का है। अतिक्रमण व सड़क पर खड़े वाहनों के कारण यातायात व्यवस्था बिगड़ती जा रही है। त्योहारी सीजन में शहर में वाहनों का लोड बढ़ने से स्थित और भी बिगड़ती जा रही है। सोमवार को रेलवे चौक से कानोड गेट तक जाम लगने से करीब एक घंटे वाहनों की लंबीक कतार लगी रही। सरकुलर रोड के साथ गढी बोलनी रोड, बावल रोड, नारनौल रोड व दिल्ली रोड पर भी सड़कों पर वाहन खड़े किए जा रहे है। नाईवाली ओवरब्रिज पर दिनभर कतार में रेहड़ियों का बाजार लग गया है। इन रेहड़ियों के साथ ही लोग अपने वाहन खड़े करके बाजार में खरीददारी के लिए जा रहे है। प्रशासन की ओर से न तो अतिक्रमण हटाने

त्योहारी सीजन में शहर में वाहनों का लोड बढ़ने से स्थित और भी बिगड़ती जा रही

की दिशा में कदम उठाएं जा रहे है और न ही सड़कों पर खड़े होते अवैध वाहनों पर शिकंजा कसा जा रहा है। सरकुलर रोड पर प्राइवेट अस्पतालों के बाहर तो ज्यादा स्थिति खराब है। निजी अस्पतालों के बाहर हर समय सड़क रोके वाहन खड़े रहते है, जिनके कारण काफी बार जाम की स्थिति पैदा हो जाती है। सरकुलर रोड पर जाम लगने का मुख्य कारण अस्पतालों, बैंकों व अन्य बड़े प्रतिष्ठानों के पास पार्किंग व्यवस्था का नहीं होना है।

रेवाड़ी। रेलवे रोड बाजार में लगा वाहनों का जाम। फोटो :हरिभूमि

रेवाड़ी। सरकुलर रोड पर रेलवे चौक की तरफ लगा जाम। फोटो :हरिभूमि

नाईवाली पुल पर रेहड़ियों की कतार

सरकुलर रोड पर सबसे ज्यादा अव्यवस्था अंबेडकर चौक, नाईवाली चौक, कानोड गेट से रेलवे चौक तक फैली हुई है। अंबेडकर चौक से पास निजी अस्पतालों की अवैध पार्किंग यातायात व्यवस्था बिगाड़ रही है। नाईवाली चौक पर सब्जीमंडी होने के कारण सब्जी लेने आने वाले लोग आरओबी व सरकुलर रोड पर वाहन खड़ा कर जाते है, जिससे वहां से गुजरने वाले अन्य वाहन चालकों को निकलने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। नाईवाली पुल के सविस रोड पर भी दोनों तरफ सड़क पर ऑटो खड़े रहते है, जिससे अन्य वाहनों को निकलने में परेशानी उठानी पड़ती है।

रेलवे रोड बाजार में भी स्थिति खराब

रेलवे रोड व काठमंडी बाजार की स्थिति भी काफी खराब हो चुकी है। दुकानदारों ने सड़क पर सामान रखकर करीब 10 फीट तक कब्जा किया हुआ है तथा अतिक्रमण के सामान के आगे अवैध पार्किंग में खड़े हो रहे वाहन व्यवस्था को बिगाड़ने में पूरा सहयोग दे रहे है। अतिक्रमण व अवैध पार्किंग के कारण रेलवे रोड बाजार में भी थोड़ी-थोड़ी देर में जाम की स्थित पैदा हो रही है।

सड़क पर लगा रहता है जाम

सरकुलर रोड स्थित अस्पतालों में शायद ही कोई अस्पताल होगा, जिसने वाहनों को पार्क करने की पर्याप्त व्यवस्था की गई हो। अवैध पार्किंग को रोकने के लिए प्रशासन की ओर से न तो व्यवस्था की जा रही है और न ही कोई ठोस कदम उठाए जा रहे है। इसके अलावा सरकुलर रोड पर स्कूल व बैंक सहित अन्य प्रतिष्ठान भी है, जिनके बाहर दिनभर वाहनों का जमावड़ा लगा रहता है। सरकुलर रोड पर करीब 4 दर्जन से ज्यादा अस्पताल तथा बैंक हैं। सभी बैंकों और अस्पतालों में आने वाले लोग व स्टाफ के सदस्य अपने वाहन सरकुलर रोड पर ही खड़े करते हैं, जिसके कारण कई बार अन्य वाहनों का निकलना मुश्किल हो जाता है।

राठ इंटरनेशनल स्कूल में नवरात्र पर डांडिया उत्सव की धूम

कुंड। राठ इंटरनेशनल स्कूल में नवरात्र के अवसर पर डांडिया उत्सव उत्साह और परंपरागत श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ चेयरमैन बलवान सिंह यादव ने मां दुर्गा की प्रतिमा के समक्ष ज्योत प्रज्जवलन से किया। उन्होंने विद्यार्थियों और अभिभावकों को भारतीय संस्कृति से जुड़े रहने तथा उत्सवों को आत्मिक ऊर्जा का स्रोत बताया। अकादमिक डीन प्रियंका यादव ने अभिभावकों का अभिनंदन किया और विद्यालय की सांस्कृतिक गतिविधियों में उनकी सहभागिता की सराहना की। प्रधानाचार्या मंजू यादव ने डांडिया उत्सव को सामाजिक एकता और आनंद का प्रतीक बताया। हेडमिस्ट्रेस शिप्रा ने शिक्षा और संस्कृति के संतुलन पर बल दिया। कार्यक्रम में अभिभावकों और छात्राओं ने मिलकर डांडिया नृत्य प्रस्तुत किया। इस अवसर पर कोऑर्डिनेटर आशा यादव, निशा यादव व ज्योति यादव सहित समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में अतिथियों का सम्मान करते आयोजक। फोटो :हरिभूमि

लाल डोरा की संपत्तियों के लिए मालिकाना हक सर्टिफिकेट देने की प्रक्रिया शुरू

> बैंक से लोन लेने में भी आसानी होगी और जमीनी विवादों का भी अंत होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धारूहेड़ा

नगर पालिका की ओर से शिविर लगाकर लोगों को उनके लाल डोरा के तहत आने वाली संपत्तियों के मालिकाना हक के सर्टिफिकेट दिए जा रहे है। सर्टिफिकेट के मिलने से संपत्ति का कानूनी स्वामित्व साबित करना आसान होगा, जिससे बैंक से लोन लेने में भी आसानी होगी और जमीनी विवादों का भी अंत होगा। यह योजना जमीनी विवादों को खत्म करेगी और संपत्ति के स्वामित्व को स्पष्ट करेगी। धारूहेड़ा के सोहना रोड स्थित जांगिड़ धर्मशाला में सोमवार से शुक्रवार तक शिविर लगया जा रहा हैं। शिविर में लोगों के दस्तावेज

रेवाड़ी। शिविर में अपने कागजात जमा कराते हुए लोग।

चैक करने के साथ आवेदन स्वीकार किए जा रहे है। योजना के तहत आवेदक को पिछले 10 साल के बिजली या पानी के बिल, पीआईसी, ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट जैसे पते के साथ वाले सरकारी दस्तावेज, प्रॉपर्टी टैक्स की रसीदें और सेल डीड व फर्द देनी होगी।

होली चाइल्ड स्कूल को एनवाईसी ग्रीन स्कूल कॉन्फ्रेंस में मिली दसवीं रैंकिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

होली चाइल्ड पब्लिक स्कूल ने भारत का नाम रोशन करते हुए एनवाईसी ग्रीन स्कूल कॉन्फ्रेंस 2025 में दसवीं ग्रीन नेशनल रैंकिंग हासिल की है। यह प्रतिष्ठित सम्मेलन आईएलआर कॉर्नेल यूनिवर्सिटी न्यूयॉर्क सिटी में आयोजित हुआ, जो क्लाइमेट वीक एनवाईसी और 80वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा के साथ समांतर आयोजित किया गया। वैश्विक मंच पर 200 से अधिक नेता, शिक्षक, नीति निर्माता, उद्योग विशेषज्ञ और वैज्ञानिक शामिल हुए। बढ़ते वैश्विक तापमान पर चिंता जताई और स्कूलों व विश्वविद्यालयों से आग्रह किया कि वे अगली पीढ़ी को स्थिरता और जलवायु संरक्षण के प्रति संवेदनशील बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। कार्यक्रम में प्रमुख वैश्विक विशेषज्ञों में एंड्रयू मेयोक वाइस चांसलर फॉर सस्टेनेबिलिटी यूनिवर्सिटी ऑफ कोलोराडो बोल्डर, सत्य एस त्रिपाठी सचिव-जनरल ग्लोबल अलायंस फॉर ए सस्टेनेबल प्लैनेट और प्रो. पैट्रिक पॉल वाल्श वाइस प्रेसिडेंट ऑफ एजुकेशन यूएन सस्टेनेबल डेवलपमेंट सॉल्यूशंस नेटवर्क शामिल थे।

रेवाड़ी। सम्मेलन में अवॉर्ड लेते हुए अनिरुद्ध सचदेवा।

सम्मेलन में 20 से अधिक सत्रों और संवाद हुआ आयोजित

देश के गौरव को बढ़ाते हुए आईआईटी बैंगलोर, अमिटी यूनिवर्सिटी, ग्रीन स्कूल बैंगलोर, कादी सर्वा विश्वविद्यालय गांधीनगर और नवरचना स्कूल, बड़ौदा जैसी भारतीय संस्थानों को भी उनके अग्रणी ग्रीन प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया। सम्मेलन में 20 से अधिक सत्रों और संवाद आयोजित किए गए, जिनमें के-12 से उच्च शिक्षा तक शिक्षा में हरित पहल, विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग और युवाओं द्वारा नेतृत्व किए गए जलवायु कार्य पर जोर दिया गया। सम्मेलन में होली चाइल्ड स्कूल के निदेशक अनिरुद्ध सचदेवा ने कहा कि इस वैश्विक मान्यता से हमारे संस्थान की स्थिरता, पर्यावरण जागरूकता और ग्रीन शिक्षा के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता उजागर होती है। यह हमें जलवायु-संवेदनशील विद्यार्थियों को तैयार करने और समुदाय को एक उज्जवल, हरित भविष्य बनाने में शामिल करने के हमारे संकल्प को और मजबूत करता है।

प्रशासन की टीम ने पुन्सिका में रास्ते से हटवाया अवैध कब्जा

रेवाड़ी। गांव में कब्जा हटाते हुए जेसीबी मशीन। फोटो :हरिभूमि

> पुलिस बल की मौजूदगी के कारण इस कार्रवाई का कोई विरोध नहीं हुआ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

पुन्सिका गांव में पंचायती रास्ते पर किए गए अवैध कब्जे को प्रशासन की टीम ने पुलिस की मौजूदगी में हटवा दिया। पुलिस बल की मौजूदगी के कारण इस कार्रवाई का कोई विरोध नहीं हुआ।

गांव के सार्वजनिक रास्ते पर कुछ लोगों ने लंबे समय से कब्जा किया हुआ था। इसकी शिकायत ग्रामीणों ने प्रशासन से की थी। कई बार शिकायतों के बाद आखिर प्रशासनिक स्तर पर कब्जा हटाने के आदेश जारी हुए थे। सोमवार को पंचायत विभाग के एसडीओ कमलसिंह के नेतृत्व में एक टीम जेसीबी मशीन के साथ गांव पहुंची। रामपुरा थाने से पुलिस बल भी मौके पर मौजूद रहा।

जेसीबी मशीन से कब्जा हटाकर रास्ता साफ करा दिया गया, जिससे ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। रास्ते पर कब्जा होने के कारण ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

शिकायतों पर हो रहा लगातार एक्शन

पंचायत विभाग की ओर से सीएम विंडो और समाधान शिविर में आ रही अवैध कब्जों की शिकायतों पर नियमित रूप से कार्रवाई की जा रही है। विभाग की टीम आए दिन ग्रामीण क्षेत्रों में कब्जे खाली करा रही है, जिससे कब्जा करने वाले लोगों में हड़कंप मचा हुआ है। डीडीपीओ एचपी बंसल ने बताया कि कब्जा करने वाले लोगों को खुद कब्जा हटा लेना चाहिए। ऐसा नहीं होने पर विभाग उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगा।

सोमवार को शहर के मंदिरों में मां दुर्गा की पूरे विधि विधान से पूजा की गई

मंदिरों में आज अष्टमी पर होंगे धार्मिक अनुष्ठान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

शारदीय नवरात्रों के अवसर पर सोमवार को शहर के मंदिरों में मां दुर्गा की पूरे विधि विधान से पूजा की गई। ग्रामीण क्षेत्रों के मंदिरों में भी श्रृद्धालुओं की काफी भीड़ दिखाई दे रही है। शहर के मुख्य बाजारों में नवरात्रों को लेकर काफी चहल-पहल दिखाई दे रही है। शहर के बारा हजारी स्थित प्राचीन दुर्गा माता मंदिर, धारूहेड़ा चुंगी स्थित काली माता मंदिर, बड़ा तालाब स्थित मंसा माता मंदिर, नई बस्ती स्थित मंसा देवी मंदिर, सेक्टर-3 स्थित माता मंदिर, बारा पत्थर स्थित कालीमाता मंदिर, आर्य समाज रोड स्थित दुर्गामाता मंदिर सहित सभी मंदिरों में सुबह-शाम माता की आरती व महिला मंडल की ओर से भजन-कीर्तन का आयोजन किया जा रहा है। इस बार खास बात यह है कि नवरात्रि 9 नहीं, अपितु 10 दिनों के है और 11वें दिन विजयादशमी का पर्व मनाया जाएगा। मंगलवार को नवरात्र की अष्टमी पर बहुत से व्रती अपने व्रतों का समापन करेंगे। मां दुर्गा की पूजा अर्चना करने के बाद व्रती कंजकों को भोजन कराकर पूजन करेंगे। श्रद्धालु कंजकों को भोजन कराने की तैयारियों में जुटे हुए हैं। श्रद्धालु अपनी हैसियत के अनुसार कंजकों को उपहार भी देंगे। महिलाओं ने कंजिकाओं को भेंट देने के लिए अपनी खरीददारी भी कर ली है।

कंजकों को कराया जाएगा भोजन

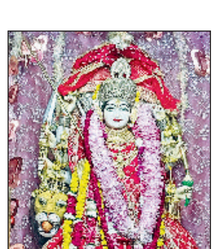

रेवाड़ी। बारा हजारी मंदिर में सजी माता की प्रतिमा, दुर्गा मंदिर में माता की पूजा करते हुए श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

आज महागौरी की होगी उपासना

नवरात्र के नवें दिन दुर्गा अष्टमी पर श्रृद्धालु मां महागौरी की पूजा अर्चना करेंगे, वहीं कुछ श्रद्धालु अष्टमी पर मां महागौरी की पूजा-अर्चना कर अपने व्रतों का समापन भी कंजकों को भोजन कराकर करेंगे। धार्मिक ग्रंथों में उल्लेख है कि महागौरी का रंग पूर्णतः गौर है। उनके गौर रंग की उपमा शंख, चन्द्र और कुंद के फूल से की गई है। मां के समस्त वस्त्र एवं आभूषण आदि भी श्वेत हैं, इनकी 4 भुजाएं हैं और इनका वाहन वृषभ है, मां के ऊपर के दाहिना हाथ अभय मुद्रा में और नीचे वाले दाहिने हाथ में त्रिशूल है तथा ऊपर वाले बाएं हाथ में डमरू और नीचे वाला हाथ वर मुद्रा में हैं। कहा जाता है कि अपने पार्वती के रूप में मां महागौरी ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए बड़ी कठोर तपस्या की थी, जिसके कारण इनका शरीर एकदम काला पड़ गया था। इनकी तपस्या से प्रसन्न और संतुष्ट होकर भोले शंकर महादेव ने इनके पवित्र शरीर को गंगा जी के पवित्र जल से मल कर धोया तब वह विद्युत के समान गौर हो उठा तभी से इन माता का नाम महागौरी पड़ा। मां की शक्ति अमोघ और फलदायिनी है, इनकी उपासना से भक्तों के सभी कलंक धुल जाते हैं और उनके पाप भी नष्ट हो जाते हैं।

हरिभूमि सहेली

विशेष: विजय दशमी-गांधी जयंती

श्रीराम के संपूर्ण जीवन से दृष्टिगत होता है कि वे स्त्रियों के मान-सम्मान के समर्थक-रक्षक थे। श्रीराम के अनन्य भक्त महात्मा गांधी उनके आदर्शों के अनुगामी थे, समाज में स्त्रियों को मान-सम्मान और समान अधिकार देने के पक्षधर थे। विजय दशमी-गांधी जयंती के अवसर पर स्त्रियों के संदर्भ में श्रीराम और महात्मा गांधी के आदर्शों का एक विवेचन।

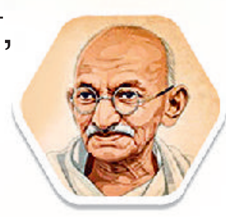

समाज में हो स्त्रियों का मान-सम्मान

आवरण कथा
डॉ. मोनिका शर्मा

मर्यादित जीवन और लोक कल्याणकारी नीतियों के लिए मान पाने वाले प्रभु श्रीराम की हर सीख स्त्रियों के लिए सुरक्षित परिवेश बनाती है। मानवीय संवेदनाओं से भरा श्रीराम का व्यवहार हर महिला को सम्मानजनक पारिवारिक माहौल देने की शिक्षा देता है। वहीं समानता और अहिंसा के समर्थक बापू का जीवन भी स्त्रियों की जिंदगी सहज करने वाले कई पाठ लिए है। असल में स्त्रियों के सपने और आशाएं सुरक्षा, सम्मान, समानता और मर्यादित माहौल में ही पूरे हो सकते हैं। महिलाओं का निर्भय मन ही कामयाबी की उड़ान भर सकता है। घर हो या दफ्तर, संयत-अनुशासित परिवेश ही सफलता की राह पर उन्हें कदम बढ़ाने का हौसला देता है। बराबरी के भाव से हर महिला का मनोबल बढ़ता है। प्रभु श्रीराम जैसे समर्पित जीवनसाथी हों या महात्मा गांधी के समान बहू-बेटियों को आगे बढ़ाने वाले वरिष्ठजन, जरूरी है कि समानता के भाव से भरा मर्यादित परिवेश बनाने के लिए समग्र समाज आगे आए।

पारिवारिक अपनेपन का भाव: प्रभु श्रीराम के व्यक्तित्व में परिवार से गहरा जुड़ाव दिखता है। सच्चे जननायक मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम का यह जुड़ाव मां कैकेयी द्वारा उनके लिए वनवास मांगे जाने पर भी बना रहा। सदाचारी सोच में समाई उनकी सहजता में अपनी माता के प्रति ही नहीं, मातृशक्ति के प्रति मान का भाव दिखता है। हमारे यहां आज भी महिलाओं को घर-परिवार में अपनेपन का माहौल नहीं मिलता। इन परिस्थितियों में महिलाएं अपनी योग्यता और क्षमता का सही इस्तेमाल नहीं कर पातीं। मन की पीड़ा कहने का अवसर नहीं मिलता। अपने सपनों को साकार करने की बात अपनों से कहने में भी हिचकिचाहट होती है। शारीरिक ही नहीं, बहुत-सी स्वास्थ्य समस्याएं भी अपनेपन के अभाव से ही घेरती हैं। ऐसे में पारिवारिक परिवेश में संवेदनाएं सींचने और संबंधों में निश्छल प्रेम को पोसने के लिए भगवान श्रीराम का जीवन सार्थक दिशा देता है। यह सकारात्मक दिशा, स्त्री जीवन की दशा बदलने के लिए बहुत आवश्यक है। इसी बदलाव की बदौलत समानता का भाव पनपता है। यही समान भाव रखने की सीख बापू ने भी दी है। महात्मा गांधी का कहना था, 'स्त्रियां पुरुषों की प्रतिद्वंद्वी नहीं हैं। महिलाओं और पुरुषों में आत्मा एक ही है और उनकी समस्याएं भी एक जैसी हैं। महिला और पुरुष एक-दूसरे के पूरक हैं।' परिवार में स्त्रियों के प्रति अपनत्व और आत्मीयता का यह बर्ताव, उनकी बेहतरी से गहराई से जुड़ा है।

सम्मान और मर्यादित बर्ताव

रावण के अहंकार को अपनी विनम्रता से पराजित करने वाले भगवान श्रीराम ने नारी शक्ति को सदैव सम्मान दिया। रघुनंदन श्रीराम ने स्त्रियों के साथ मर्यादित व्यवहार करने के उपदेश ही नहीं दिए बल्कि अपने जीवन में भी अपनाया। जीवनसंगिनी सीता हों या माता कौशल्या, कैकेयी, सुमित्रा। प्रेम भाव रखने वालीं परम भक्त शबरी हों, पत्थर बनने का श्राप पाने वाली देवी अहिल्या हों या राक्षस कुल में जन्मी शूर्पनखा। उनके शब्दों और व्यवहार में सभी के प्रति आदरभाव ही प्रकट हुआ। नारी को सृजन शक्ति के रूप में देखने वाले प्रभु श्रीराम ने स्वयं मां आदिशक्ति की उपासना की।

अहंकारी स्वभाव से बचने का संदेश: श्रीराम की विजय और रावण की पराजय के रूप में दशहरे का पर्व अहंकारी स्वभाव से बचने का भी संदेश देता है। हमारे सामाजिक-पारिवारिक परिवेश में पुरुषों के अहंकार का दंश स्त्रियां ही सबसे अधिक झेलती हैं। यह दंभ महिलाओं के लिए बोली जाने वाली भाषा से लेकर उन्हें हर मामले में कम आंकने के बर्ताव तक अपनी मौजूदगी रखता है। यही वजह है कि महिलाओं के प्रति सभ्य बर्ताव की सीख महात्मा गांधी ने भी दी है। जैसे भगवान श्रीराम ने देवी अहिल्या को श्राप से मुक्त किया, वैसे ही बापू ने भी पर्दा प्रथा, अशिक्षा, बाल-विवाह और दहेज जैसी कुरीतियों के श्राप से महिलाओं को मुक्ति दिलाने का आह्वान किया। महात्मा गांधी ने पुरुषों के अभिमान को पोसने और दबकर रहने के बजाय स्त्रियों को अपनी शक्तियां पहचानने को प्रेरित किया। सशक्त और स्वतंत्र अस्तित्व गढ़ने की राह दिखाई। समझना आवश्यक है कि सम्मान और मर्यादित बर्ताव महिलाओं की बहुत-सी समस्याओं का हल है।

स्त्रियों का साथ दे समाज: किसी संकट, अपमानजनक स्थिति या आपराधिक घटना का शिकार होने पर स्त्रियां अकेली पड़ जाती हैं। अपने हों या पराए, सभी दोषारोपण करने लगते हैं। समग्र समाज महिलाओं पर ही सवाल उठाने लगता है। पीड़ादायी परिस्थितियों में जीवनसाथी तक मुंह मोड़ लेते हैं। ऐसे में असत्य पर सत्य की विजय का पर्व दशहरा स्त्रियों के मान को ठेस पहुंचाने वाले लोगों के विरुद्ध एकजुट होने का भी संदेश देता है। रावण द्वारा एक स्त्री यानी माता सीता के अपमान का दंड देने के लिए ही प्रभु श्रीराम ने रावण से युद्ध किया। सही और गलत का फर्क समझते हुए उनका साथ स्वयं रावण के भाई विभीषण ने भी दिया। पत्नी मंदोदरी ने भी रावण को सीता हरण के लिए अपनी गलती मानने और स्त्रीशक्ति के प्रति सम्मान का भाव रखने को ही कहा। व्यावहारिक रूप से समाज और परिवार में यह महिलाओं के समर्थन में खड़े होने की सोच नदारद ही रही है। घर हो या बाहर, स्त्रियां भी पीड़ित महिला के पक्ष में खड़ी नहीं होतीं। यह महिलाओं के मान को ठेस पहुंचाने वाला ही नहीं, उनका मनोबल तोड़ने वाला बर्ताव भी है। जबकि गांधीजी ने कहा था कि समाज की उन्नति महिलाओं के सम्मान-सुरक्षा पर निर्भर करती है। बापू ने न केवल महिलाओं के प्रति हिंसा और अन्याय का मुखर विरोध किया बल्कि समाज से भी आधी आबादी के समर्थन में आवाज उठाने का आह्वान किया। बापू का कहना था, 'स्त्री और पुरुष एक-दूसरे के पूरक हैं। आपसी सहयोग के बिना दोनों का अस्तित्व असंभव है।' इसका मतलब ही है कि हर परिस्थिति में स्त्रियों को जीवन साथी का सहयोग मिलना चाहिए। समाज को हर भेदभाव से परे उनकी भूमिका समझनी चाहिए। जीवन के हर उतार-चढ़ाव में परिजनों को उनका साझीदार बनना चाहिए। खासकर किसी परेशानी के दौर में 'जजमेंटल' हुए बिना स्त्रीमन को समझा जाना चाहिए।

बच्चों को बताएं दशहरे का संदेश

हमारे पर्व हमें कोई ना कोई बड़ा संदेश जरूर देते हैं, हमें जीवन में सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं। दशहरा का पर्व भी हमें अन्याय ना सहने और सत्यता, नैतिकता के पथ पर चलने का संदेश देता है। हम अपने बच्चों को दशहरे का संदेश बताएं और उन्हें संस्कारवान बनाएं।

परवरिश
सरस्वती रमेश

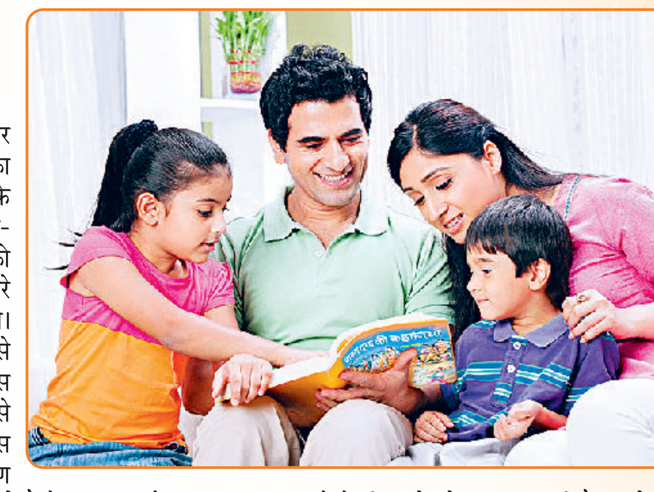

दशहरा, बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व है। इसे मनाने के पीछे एक गहरा संदेश छिपा हुआ है- हम अच्छाई यानी सत्य के मूल्यों को अपने जीवन में उतारें ताकि हमारे जीवन में अच्छाई की रोशनी फैले। जीवन की शुरुआत बाल्यकाल से होती है। सवाल है कि अच्छाई के इस प्रकाश से अपने नन्हे-मुन्नों को कैसे परिचित कराएं? उनके जीवन में इस प्रकाश को कैसे उतारें? उन्हें रावण दहन और विजय दशमी के महत्व को कैसे बताएं? जानें-

कहानी के माध्यम से बताएं: बच्चों को कहानियां बहुत भाती हैं। इनसे वे बहुत प्रभावित होते हैं। कहानी के जरिए हम उन्हें कठिन से कठिन बात को सरलता से समझा सकते हैं। हम जानते हैं, महान लोगों की जीवनी से लेकर, महत्वपूर्ण घटनाओं तक को कहानी का रूप देकर बच्चों को उनकी पाठ्य-पुस्तकों में समझाया जाता है। बच्चे कहानी के पात्रों को अपना नायक समझने लगते हैं। उनसे प्रेरित होकर, उन जैसा बनने का प्रयास करते हैं। इसलिए कहा जाता है, बचपन में बच्चों को वीर और महान लोगों की कहानियां सुनानी चाहिए। दशहरे पर भी उन्हें श्रीराम के जीवन से जुड़ी प्रेरक कथाओं को सुनाएं। उन्हें बताएं कि श्रीराम एक आज्ञाकारी पुत्र थे। साथ ही वे धैर्यवान, वीर, साहसी थे, सभी से प्रेम भी करते थे। श्रीराम के साथ ही भरत, लक्ष्मण और हनुमान की कहानियां भी प्रेरणादाई हैं, इन्हें भी बच्चों को सुनाएं।

दशहरे का मतलब समझाएं: दशहरा तो हम सभी मनाते हैं, लेकिन अकसर यह देखा जाता है, माता-पिता अपने बच्चों को त्योहार को मनाने के पीछे का संदेश बताना भूल जाते हैं। इस बार जब दशहरा मनाएं तो अपने बच्चों को इसका महत्व जरूर बताएं। रावण बुराई का प्रतीक है। इसलिए हर वर्ष उसका पुतला दहन किया जाता है, लेकिन बुराई तो हम सबके भीतर भी रहती है। इसे कैसे नष्ट किया जाए। इस बारे में भी बच्चों को बताना जरूरी है। बच्चों को यह अहसास कराना जरूरी है कि अपने भीतर की बुराइयों को प्रयासपूर्वक ही समाप्त किया जा सकता है। एक अच्छा और नेक इंसान बना जा सकता है।

बुराइयां खत्म करने के तरीके: दशहरा हमारे भीतर की बुराइयों को खत्म करने का प्रतीक है। बच्चों को इन बुराइयों से बचाकर ही संस्कारवान बनाया जा सकता है। यदि बच्चों को संस्कारवान बनाना है तो बचपन से ही उनमें अच्छी आदतें डालनी होंगी। इसके लिए जरूरी है, पहले उनके अंदर की बुराइयों को बाहर किया जाए। इस दशहरे पर अपने बच्चों से पूछें कि उन्हें अपनी कौन-सी बुरी आदत से छुटकारा पाना है? उन्हें कागज पर लिखने के लिए कहें कि वे इन बुरी आदतों से क्यों छुटकारा पाना चाहते हैं? फिर उन्हें छुटकारे के तरीके सुझाएं और उस पर अमल करने को कहें। लिखने से उन्हें गलत बातों से होने वाले नुकसान के बारे में गहराई से पता चलेगा और वे उनसे बचने के उपाय भी अपनाएंगे। इसी तरह उनके भीतर अच्छी आदतों को भरने के लिए नए-नए आइडिया सुझाएं। समय-समय पर गलत आदतों से होने वाले नुकसान के बारे में भी सचेत करें।

याद रखिए, त्योहारों को मनाने की सार्थकता तभी है, जब उससे हमारा समाज बेहतर बन सके। समाज तभी अच्छा बनेगा, जब हमारे बच्चे संस्कारवान, ईमानदार और सच्चाई की राह पर चलेंगे।

फिटनेस फंडा
सोनल पंवार

इन दिनों एंड टीवी के शो 'हप्पू की उलटन-पलटन' में इंस्पेक्टर मलिका का किरदार निभा रहीं सोनल पंवार न सिर्फ एक्टिंग में माहिर हैं, बल्कि फिटनेस के मामले में भी पूरी तरह से डिसिप्लिन में रहती हैं। इसके लिए वह क्या करती हैं, सहेली को सोनल बता रही हैं अपनी जुबानी।

जरूरी है वर्कआउट मेंटल वेलनेस में बैलेंस

मेरा मानना है कि एक एक्ट्रेस के लिए सिर्फ खूबसूरत दिखना ही नहीं, बल्कि अंदर से एनर्जेटिक और पॉजिटिव रहना भी बहुत जरूरी है।

इसके लिए मैं डेली वर्कआउट और अपनी डाइट पर फोकस करती हूं। हेल्दी लाइफस्टाइल के लिए टाइम निकालना मेरे लिए बहुत जरूरी है क्योंकि इससे मेरी मेंटल हेल्थ भी सही रहती है।

फिटनेस है जरूरी: मेरे विचार में अच्छी लाइफ के लिए हेल्दी और फिट रहना बहुत जरूरी है। फिटनेस मुझे पॉजिटिव सोच, कॉन्फिडेंस और जीवन का पूरा आनंद लेने की शक्ति देता है। लंबी शूटिंग और एक्शन सींस के दौरान एनर्जी बनाए रखना तभी मुमकिन है, जब आपकी बॉडी स्ट्रॉन्ग हो।

फिटनेस आइडियल: मेरा फिटनेस आइडियल मेरे पापा और भाई हैं, जो आर्मी बैकग्राउंड से हैं। बचपन से ही मैंने उन्हें फिटनेस, अनुशासन और

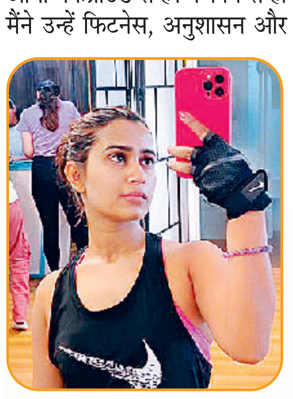

समय की पाबंदी के साथ रहते देखा है। उनका रूटीन और डेडिकेशन मुझे हमेशा मोटिवेट करता है। वो चाहे किसी भी कंडीशन में हों, उनका सेल्फ कंट्रोल और एनर्जी लेवल कमाल का होता है। मेरे लिए वही असली रोल मॉडल हैं।

हेल्दी-एनर्जेटिक होना जरूरी: मेरे लिए स्लिम-ट्रिम दिखने से ज्यादा इंपॉर्टेंट है खुद को हेल्दी, फिट और एनर्जेटिक महसूस करना। कैमरे पर तो मेकअप मदद कर देता है, लेकिन स्टेमिना और फुर्ती सिर्फ संतुलित आहार और ट्रेनिंग से आती है। जब आप अंदर से हेल्दी रहते हैं तो सेल्फ कॉन्फिडेंस अपने आप चेहरे पर झलकने लगता है।

डाइट प्लान: मैं दिन की शुरुआत भीगे हुए बादाम खाने से करती हूं। नाश्ते में आमतौर पर ऑमलेट-ब्रेड या ओट्स लेती हूं। मेरे लंच में चावल, दाल, हरी-सब्जी और सलाद शामिल होता है। रात का खाना हल्का लेती हूं, जैसे- रोटी, ग्रिल्ड पनीर, सूप या खिचड़ी। साथ ही दिनभर में ढाई-तीन लीटर पानी पीती हूं।

वर्कआउट शेड्यूल: मैं हफ्ते में चार दिन स्ट्रेंथ ट्रेनिंग और दो दिन कार्डियो करती हूं। सेशन से पहले 15 मिनट की डायनेमिक स्ट्रेचिंग जरूर करती हूं। रोज 20 मिनट कुछ योगासन और प्राणायाम कर लेती हूं। शूट वाले दिन अगर जिम नहीं जा पाती तो सेट पर ही 10,000 स्टेप्स वॉक और रेजिस्टेंस बैंड वर्कआउट कर लेती हूं।

इन्हें भी करती हूं फॉलो: वीक में एक दिन इंटरमिटेंट फास्टिंग रखती हूं, जिससे शरीर डिटॉक्स हो। अकसर लिफ्ट के बजाय सीढ़ियों से फ्लोर चढ़ती-उतरती हूं। आउटडोर सीन के बीच-बीच में स्क्वैट्स या प्लैंक्स कर लेती हूं। डांस वर्कशॉप्स भी जॉइन करती रहती हूं, क्योंकि म्यूजिक के साथ डांस तन-मन दोनों को तरोताजा कर देता है।

मेंटली फिट: मैं मेंटली फिट रहने के लिए दिन में कम से कम दस मिनट तक ध्यान करती हूं और शूट से पहले पांच गहरी सांसें लेकर माइंडफुलनेस प्रैक्टिस करती हूं। सोशल मीडिया ब्रेक और किताबें पढ़ना मेरे दिमाग को आराम देते हैं। परिवार के साथ समय बिताना भी मेरे लिए थेरेपी की तरह है।

ग्लो पाने के लिए योगाभ्यास: चेहरे की चमक बरकरार रखने के लिए रोजाना कपालभाती, भ्रामरी और फेस योगा करती हूं। सूर्य नमस्कार करने से शरीर में ब्लड सर्कुलेशन सही रहता है और त्वचा में नेचुरल ग्लो आता है। डेली पूरी नींद लेती हूं, क्योंकि अच्छी नींद से फेस ग्लो करता है।

प्रस्तुति: सहेली फीचर्स

हेयर केयर
शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

बालों की कई समस्याएं करे दूर मुलेठी

बालों का कमजोर होना, झड़ना, रूसी और उम्र से पहले बालों के सफेद होने जैसी समस्याओं को लेकर कई महिलाएं परेशान रहती हैं। कुछ घरेलू उपचार से इन सभी समस्याओं से छुटकारा पाया जा सकता है। आप चाहें तो बालों की इन समस्याओं के लिए मुलेठी पावडर को अलग-अलग तरीके से इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे आपके बाल और भी ज्यादा हेल्दी और शाइनी हो जाएंगे।

डेंड्रफ के लिए : डेंड्रफ की प्रॉब्लम दूर करने के लिए सबसे पहले कांच के जार में एक चम्मच मुलेठी पावडर, आधा चम्मच नीबू का रस और एक चम्मच शहद को अच्छी तरह मिलाएं। इस तरह तैयार पेस्ट को अपने सिर और बालों में लगा लें। आप इसे हफ्ते में दो बार लगा सकती हैं। मुलेठी में एंटी बैक्टीरियल गुण होते है, जिसके कारण यह डेंड्रफ की प्रॉब्लम को दूर करता है।

हेयर फॉलिंग : बाल झड़ना यानी हेयर फॉल या बाल्डनेस की प्रॉब्लम के लिए भी आप मुलेठी पावडर को अप्लाई कर सकती हैं। सबसे पहले कांच के बर्तन में एक चम्मच मुलेठी पावडर, कुछ केसर के धागे और 1 कप दूध या दही डालकर इसे अच्छी तरह मिक्स कर लें। अब इसे रात के समय अपने बालों पर लगाएं और शॉवर कैप से बालों को कवर करके सो जाएं। सुबह आप अपने बालों को माइल्ड शैंपू से धो लें।

हेल्दी हेयर के लिए: हेल्दी हेयर के लिए हेयर मास्क काफी इफेक्टिव माना जाता है। इसे बनाने के लिए कांच के बाउल में आधा पका केला, 2 चम्मच मेहंदी पावडर और 1 चम्मच मुलेठी पावडर को अच्छे से मिलाकर पेस्ट बना लें। अब पेस्ट को बालों पर 45 मिनट तक लगाने के बाद बालों को माइल्ड शैंपू से धो लें। बेजान और कमजोर बालों के लिए एक कटोरे में पांच चम्मच मुलेठी पावडर, 1 कप दही और 2 चम्मच जैतून का तेल डालकर इसे अच्छी तरह मिलाकर पेस्ट बना लें। अब पेस्ट को अपने सिर और बालों पर अच्छी तरह लगाकर, आधे घंटे बाद बालों को ताजे और साफ पानी से धो लें, इससे आपके बालों को भरपूर मजबूती मिलेगी।

सफेद बाल: असमय बालों की सफेदी रोकने के लिए मुलेठी पावडर और थोड़ी मात्रा में सरसों के तेल को मिलाकर, इसे अपने बालों पर लगा लें। यह आपके हेयर फॉल की प्रॉब्लम के साथ बालों में आई असमय सफेदी को भी कम करता है।

दायित्व
यशोधरा भटनागर

बुजुर्ग हमारे परिवार के मूलाधार होते हैं। बावजूद इसके बहुत से वृद्धजन उपेक्षित, एकाकी जीवन गुजारने को बाध्य होते हैं। जरूरी है, हम उनकी महत्ता को समझें, उनका सम्मान करें।

परिवार की अनमोल धरोहर हैं हमारे बुजुर्ग

परिवार केवल चार दीवारों से बना मकान नहीं होता, बल्कि भावनाओं, रिश्तों और संस्कारों का जीवंत संसार होता है। इस घर-संसार की सबसे अनमोल धरोहर होते हैं परिवार के बुजुर्ग, जो अपने श्रम, त्याग और अनुभव से घर की नींव मजबूत करते हैं और आने वाली पीढ़ियों को संस्कारित करते हैं। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस (1 अक्टूबर) यह अवसर देता है कि हम उनकी स्थिति सुधारने की दिशा में विचार करें और प्रयास करें।

अपनों के साथ को तरसते: घर कितना भी सुंदर क्यों न हो, उसकी असली रौनक तो बड़े-बूढ़ों से ही होती है। दादा-दादी की कहानियां, नाना-नानी के संस्कार और माता-पिता के आशीर्वाद, यही तो वह पूंजी है, जो परिवार को संपूर्ण बनाती है। लेकिन आज का कटु सत्य यह है कि जिनके कंधों पर बैठकर हमने तारों से सजा आकाश देखा था, उन्हीं के लिए हमारे घरों में जगह कम पड़ गई है।

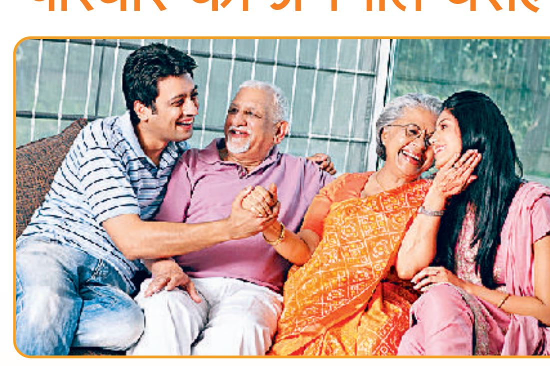

बदलती जीवनशैली का प्रभाव: आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी, दूर-दराज शहरों और विदेशों में बसे बच्चों की व्यस्तता, आर्थिक दबाव और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं बुजुर्गों में बढ़ते एकाकीपन के बड़े कारण हैं। बेटे-बेटियां अपनी जिम्मेदारियों में उलझे रहते हैं और वृद्ध माता-पिता का स्थान धीरे-धीरे घर की परिधि से हटकर वृद्धाश्रमों की दीवारों में सिमट जाता है। आंकड़े बताते हैं कि वृद्धाश्रमों की संख्या लगातार बढ़ रही है, यह हमारे सामाजिक ताने-बाने की कमजोरी का स्पष्ट संकेत है। जिनकी अंगुली पकड़कर चलना सीखा, जिनकी गोद में बैठकर दुनिया देखी, आज वही अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में अकेलेपन से घिरकर प्रतीक्षा करते हैं उस पल की, जब कोई उनसे पूछे, 'आप कैसे हैं?'

संस्कारों का क्षरण: भारतीय संस्कृति में कहा गया है, 'मातृदेवो भव, पितृदेवो भव।' हमारे यहां बुजुर्गों को अनुभवों का अक्षय स्रोत माना गया है। लेकिन बदलती जीवनशैली में जब 'संस्कार' की जगह 'सुविधाएं' और 'परंपरा' की जगह 'प्रौद्योगिकी' ने ले ली, तब रिश्तों की ऊष्मा धीरे-धीरे कम होने लगी। हम भूलते जा रहे हैं कि वृद्धजनों के अनुभव संकट की घड़ी में हमारे मार्गदर्शक हो सकते हैं। हमारे बच्चे संस्कारों का सबसे ज्यादा ज्ञान, दादा-दादी और नाना-नानी से ही पाते हैं, लेकिन आज हम उन्हें बोझ मानने लगे हैं।

हम समझें अपने दायित्व: हमें स्वयं से पूछना चाहिए, क्या हम अपने बुजुर्गों को उचित सम्मान, संवाद और अपनापन दे पा रहे हैं? हम कभी ना भूलें कि एक दिन हम सबको भी वृद्ध होना है। याद रखें, वृद्धजन हमारे परिवार की जड़ें हैं। यदि जड़ें ही सूख जाएंगी, तो शाखाएं भला कैसे हरी रह पाएंगी? यही समय है कि हम उनके हाथ थाम लें और उनकी आंखों में झांककर कहें, 'आप अकेले नहीं हैं, हम आपके साथ हैं।'

समाधान की राह

बुजुर्गों के समक्ष उपस्थित कई तरह की समस्याओं के समाधान के लिए आप यहां बताई जा रही कुछ बातों पर अमल कर सकते हैं।

- आप अपने वृद्ध माता-पिता से चाहे पास रहते हों या दूर, रोज कुछ पल बात करें। एक कॉल, एक संदेश ही उनके लिए जीवन का संबल बन सकता है।
- परिवार के बुजुर्ग सदस्य के अनुभवों को सुनें और उनकी उपस्थिति को महसूस कराएं।
- अपने बच्चों को शुरू से सिखाएं कि बुजुर्गों की सेवा करना सबसे बड़ा धर्म है।
- मोहल्लों और समाज में ऐसे केंद्र शुरू होने चाहिए, जहां बुजुर्ग मिल-जुलकर संवाद कर सकें और अकेलेपन से बाहर आ सकें।

छात्राओं को दी डायल 112, ट्रिप मॉनिटरिंग सुविधा व साइबर अपराध की जानकारी

महिला सशक्तिकरण के लिए समाज में बदलाव की जरूरत

दुर्गा शक्ति टीम से एएसआई सुनीता ने गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेज गुरावड़ा में छात्राओं को जागरूक किया।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद शिक्षक व छात्राएं व छात्राओं व शिक्षकों को जानकारी देते हुए पुलिस अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

जिला पुलिस ने सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत स्वच्छता, पौधारोपण, महिला सुरक्षा, नशा मुक्ति जागरूकता अभियान, साइबर सुरक्षा, रक्तदान और सड़क सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विभिन्न सामाजिक और जन-हितैषी अभियानों की मुहिम चलाई हुई है। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा पूरे अभियान की निगरानी कर रहे हैं। सोमवार को दुर्गा शक्ति इंचार्ज एएसआई सुनीता व उनकी टीम ने गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेज गुरावड़ा में छात्राओं व स्टाफ को डायल-112, ट्रिप मॉनिटरिंग सुविधा, साइबर अपराध, सेल्फ डिफेंस व महिला-बच्चों के विरुद्ध अपराधों की जानकारी दी।

भेदभाव समाप्त करना होगा

इस अवसर पर दुर्गा शक्ति इंचार्ज एएसआई सुनीता ने कहा कि महिला सशक्तिकरण को साकार रूप देने के लिए समाज में व्यापक बदलाव की जरूरत है। आज के समय बेटियां किसी भी तरह से पीछे नहीं है। समाज को अपनी सोच बदलनी होगी। बेटियों को भी बेटों की तरह मानकर उनको आगे बढ़ने का अवसर दें। बेटियां परिवार का नाम रोशन कर रही है। समाज को यह भेदभाव पूरी तरह से समाप्त करना होगा।

होने वाले अपराधों की जानकारी दी

पुलिस टीम ने छात्राओं एवं स्टाफ को महिलाओं व बच्चों के विरुद्ध होने वाले अपराधों, विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों, अपराधों से बचाव व अपराध होने उपरांत उनके उपाय की जानकारी दी। पुलिस टीम ने डायल-112 व दुर्गा शक्ति एप की जानकारी देते हुए बताया कि डायल-112 एप को इंस्टॉल करके अपनी डिटेल्स जैसे नाम, मोबाइल नंबर, पता इत्यादि एक बार अपडेट करना है, उसके बाद जब भी किसी असुरक्षित परिस्थिति में पुलिस सहायता की जरूरत हो तो एप से माध्यम से पुलिस सहायता प्राप्त की जा सकती है। यह एप पीड़िता और पुलिस दोनों के लिए सहयोगी के रूप में कार्य करती है। उन्होंने बताया कि यदि कोई महिला यात्रा के दौरान ट्रिप मॉनिटरिंग की सुविधा प्राप्त करना चाहती है तो 112 पर कॉल करके यह सहायता प्राप्त की जा सकती है।

पौधारोपण से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

प्रबंधक महिला थाना पीएसआई सरिता व प्रबंधक थाना रामपुरा निरीक्षक विद्या सागर के नेतत्व में महिला थाना व रामपुरा पुलिस टीम ने अपने-अपने थाना एवं आस-पास एरिये में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण और जिलं को स्वच्छ और हरा-भरा बनाने का संदेश भी दिया। पर्यावरण संरक्षण को लेकर जिला पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर 200 से ज्यादा पौधे रोपित किए।

जन शिकायतों का शीघ्र व पारदर्शी तरीके से समाधान करें अधिकारी: एडीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। समाधान शिविर में जनसुनवाई करते हुए एडीसी राहुल मोदी। फोटो : हरिभूमि

एडीसी राहुल मोदी ने कहा कि समाधान शिविर में प्राप्त जन शिकायतों का शीघ्र, पारदर्शी व संतोषजनक समाधान किया जाए। अधिकारी जन शिकायतों का पूरी संवेदनशीलता से निपटारा सुनिश्चित करें।

एडीसी राहुल मोदी सोमवार को लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर में जनसुनवाई करते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि आमजन की शिकायतों का समाधान प्रशासन की कार्यशैली का प्रतिबिंब होता है। यदि प्रशासन नागरिकों को पारदर्शी, त्वरित और संतोषजनक समाधान देने में सफल होता है तो इससे जनता का विश्वास बढ़ता है और प्रशासनिक व्यवस्था मजबूत होती है। समाधान शिविर में गंदे पानी की निकासी, अवैध कब्जा, पेयजल, जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र, परिवार पहचान पत्र व पेंशन सहित अन्य शिकायतों की सुनवाई की गई। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे।

गो-उपचारशाला टीम ने घायल गोवंश का किया उपचार

कोसली। गांव नेहरूगढ़ मे बाबा काला मुंह वाला गो-उपचारशाला की टीम ने एक घायल गोवंश का उपचार किया। टीम को सूचना मिली कि गांव ढाणी ठेठरबाद के पास एक गोवंश जख़्मी हालात में है। सुचना के तुरंत बाद टीम घायल गोंवंश उपचारशाला लेकर पहुंची और उसका तुरंत उपचार शुरू किया। इस अवसर पर सरपंच आशीष प्रजापति, परवीन प्रजापति, डा. पंकज राजपूत, डब्बू राजपूत, अभिषेक शर्मा, दीपक यादव, मनीष यादव, मनिंद्र राजपूत, अंकुश कुमार, दक्ष राजपूत, जयदीप यादव व चंचल शर्मा ने सहयोग दिया।

भगत सिंह का जीवन त्याग और बलिदान राष्ट्रभक्ति का अनुपम उदाहरण: जांगड़ा

रेवाड़ी। शहीद ए आजम भगत सिंह को श्रद्धांजलि देते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

कोसली। कोसली गांव के ग्रामीणों ने सोमवार को कार्यक्रम का आयोजन कर महान क्रांतिकारी और स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानी शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह की जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सरपंच रामकिशन जांगड़ा ने कहा कि भगत सिंह का जन्म 28 सितम्बर 1907 को हुआ था और उन्होंने बहुत कम उम्र में मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति देकर इतिहास में अमिट छाप छोड़ी। केवल 23 वर्ष की आयु में फांसी का फंदा हंसते-हंसते स्वीकार करके उन्होंने यह संदेश दिया कि देश की आजादी उनके लिए सर्वोपरि है। उनका जीवन त्याग और बलिदान राष्ट्रभक्ति का अनुपम उदाहरण है। युवाओं को शहीद भगत सिंह के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

खबर संक्षेप

सफाई अभियान चलाकर बताया स्वच्छता का महत्व

रेवाड़ी। राज इंटरनेशनल स्कूल की ओर से शहर में स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें आठवीं कक्षा तक के छात्रों ने भाग लिया। छात्रों ने लियो चौक और राजीव चौक पर साफ-सफाई की और लोगों को स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक किया। छात्र जैश और अभिनव ने जोश भरे नारों के साथ लोगों को स्वच्छता के बारे में जागरूक किया, जबकि सिया और हर्षलता ने अपने भाषण के माध्यम से स्वच्छता के महत्व को समझाया। कूल के निदेशक नवीन सैनी, जितेन्द्र सैनी और हेमंत सैनी ने लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि शहर की साफ-सफाई को बनाए रखने में सभी का योगदान महत्वपूर्ण है।

द बिग शार्क बिजनेस प्लान प्रतियोगिता

मीरपुर। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग के कॉमर्स क्लब की ओर से द बिग शार्क बिजनेस प्लान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने न केवल नए स्टार्टअप्स के आइडिया पेश किए, बल्कि समाज और अर्थव्यवस्था से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर आधारित योजनाएं भी सामने रखीं। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कोमल और मुस्कान, द्वितीय स्थान हिमानी एवं तृतीय स्थान मयंक और सूरज ने हासिल किया।

बैंच प्रेस स्पर्धा में विनोद कुमार बने स्ट्रांग मैन

रेवाड़ी। प्रतियोगिता के विजेता अतिथियों के साथ। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। जिला पॉवर लिफ्टिंग एसोसिएशन की ओर से बैंच प्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मुख्यातिथि यतेन्द्र रावत ने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। एसोसिएशन के प्रेसीडेंट किरणदीप सिंह, ट्रेजरार विनोद कुमार व सेक्रेटरी आशा रानी ने मुख्यातिथि का स्वागत किया। प्रतियोगिता का आयोजन बावल स्थित पॉवर हाउस जिम में किया गया। प्रतियोगिता में महिला व पुरुष सहित 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में मास्टर फर्स्ट स्ट्रांग मैन में विनोद कुमार, सीनियर में उदय व प्रद्युम्न, जूनियर वर्ग में दुष्यंत व मोहित तथा सब जूनियर वर्ग में यश विजेता रहे। महिला मास्टर वर्ग में आशारानी स्ट्रांग विमेन बनीं।

35 पीड़ितों को 70.87 लाख की सहायता

- समिति की समीक्षा बैठक में डीसी अभिषेक मीणा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। समिति की समीक्षा बैठक में आवश्यक दिशा-निर्देश देते डीसी अभिषेक मीणा।

पीड़ित व्यक्तियों को नियमों व अत्याचार अधिनियम के तहत उनकी सहायता करने में विभाग के अधिकारी किसी भी प्रकार की देरी न करें, पीड़ित व्यक्तियों के आवेदन पर जल्द से जल्द कार्यवाही करते हुए आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। डीसी अभिषेक मीणा सोमवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में जिला स्तरीय सतर्कता एवं निगरानी समिति की समीक्षा बैठक में अधिकारियों व समिति के सदस्यों को आवश्यक दिशा निर्देश दे रहे थे।

डीसी मीणा ने कहा कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के खिलाफ अत्याचारों को रोकने के लिए बनाए अधिनियम, 1989 के प्रावधानों के क्रियान्वयन के लिए संबंधित अधिकारी आपस में तालमेल स्थापित कर कार्य करें। उन्होंने कहा कि अत्याचार अधिनियम 1989 के अंतर्गत पीड़ित व्यक्तियों को दी गई राहत, प्राप्त मामलों और पुनर्वास सुविधाएं तथा उनसे संबंधित अन्य मामलों के क्रियान्वयन के लिए गठित जिला स्तरीय सतर्कता निगरानी समिति नियमानुसार कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि समाज में ऐसी घटनाएं न हो, इसके लिए संबंधित गतिविधियां आयोजित कर जागरूकता कार्यक्रम कराएं जाएं।

मौजूद रहे

एससी एसटी एक्ट में दर्ज मुकदमों में समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जाए। बैठक में बताया गया कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम एवं नियम के तहत प्राप्त 2025 में अब तक 35 पीड़ितों को 70 लाख 87 हजार 500 रुपए की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की गई है। इस अवसर पर सदस्यगण डा. धर्मेन्द्र कुमार, शंकर सिंह, जगदेव सिंह सेवानिवृत्त जिला कल्याण अधिकारी, अमृत कला, जवान सिंह मेहरा सहित निशा यादव मौजूद रही

एमएसएमई केंद्र योजनाओं की दी जानकारी

- जिला स्तरीय नीतिगत प्रसार कार्यशाला का आयोजन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यशाला में जानकारी देते हुए अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत जिला सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम केंद्र की ओर से कृषि विश्वविद्यालय बावल के कॉन्फ्रेंस हॉल में जिला स्तरीय नीतिगत प्रसार कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम केंद्र के औद्योगिक विस्तार अधिकारी करण सिंह ने किया। इस अवसर पर लघु उद्योग भारती, विभिन्न औद्योगिक इकाइयों एवं संघों के सदस्यों, बावल इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष कृष्ण यादव तथा नारनौल के उद्योगपति सदस्य भी उपस्थित थे। इस मौके पर औद्योगिक विस्तार अधिकारी करण सिंह ने प्रतिभागियों को आरएएमपी कार्यक्रम, पीएमएफएमई योजना, तथा एसएमई एक्सचेंज सहित विभिन्न प्रमुख योजनाओं एवं नीतियों की जानकारी दी। विशेषज्ञों ने एचईईपी 2020 और हरियाणा वस्त्र नीति के अंतर्गत विशेषकर रेवाड़ी के ए-ब्लॉक के उद्योगों के लिए उपलब्ध प्रोत्साहनों की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य जिले के उद्योगों को सरकार की नीतियों, प्रोत्साहन योजनाओं तथा सहयोगात्मक उपायों के बारे में जागरूक करना है।

निशा सिंह ने कार्यक्रम की जानकारी दी

आरएएमपी-एसपीआईयू कंसल्टेंट निशा सिंह ने आरएएमपी कार्यक्रम की जानकारी दी। एसपीएमयू प्रदीप कुमार ने पीएमएफएमई योजना की विशेषताएं बताईं। प्रियम पुरोहित ने एसएमई एक्सचेंज पर विचार प्रस्तुत किए। औद्योगिक विस्तार अधिकारी नारनौल अजय राव ने सभी का धन्यवाद किया।

रीजनल सेंटर में लिटरेरी इवेंट्स और फाइन आर्ट प्रतियोगिताओं का आयोजन

अंग्रेजी भाषण में छात्रा खुशी प्रथम रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोसली

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद शिक्षक व विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

कृष्ण नगर गांव स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के रीजनल सेंटर में सोमवार को दो दिवसीय प्रतिभा खोज प्रतियोगिता की शुरूआत की गई। प्रतियोगिता के पहले दिन विभिन्न लिटरेरी इवेंट्स और फाइन आर्ट प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। लिटरेरी इवेंट्स के अंतर्गत अंग्रेजी भाषण में छात्रा खुशी प्रथम, भावना द्वितीय तथा निकिता तृतीय रहीं। हिंदी कविता में कुसुम प्रथम, खुशी द्वितीय तथा कोमल तृतीय रहीं। हरियाणवी कविता में कुसुम प्रथम व रितु द्वितीय, हिंदी भाषण में अदिति प्रथम, अंग्रेजी डिबेट में खुशी प्रथम व अदिति द्वितीय, संस्कृत श्लोक में आरती प्रथम, हिंदी डिबेट में आरती प्रथम, अंग्रेजी कविता में तनिशा प्रथम, फाइन आर्ट प्रतियोगिता के अंतर्गत क्ले माडलिंग में मनोरमा प्रथम रही।

छात्राओं में छिपी प्रतिभाओं को उजागर करना

निदेशक डा. यशपाल शर्मा ने कहा कि इन प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्राओं में छिपी प्रतिभाओं को उजागर करना और उन्हें प्रोत्साहित करना है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता के सभी परिणामों की घोषणा समापन पर की जाएगी और विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा। प्रतियोगिताओं में निर्णायक मंडल की भूमिका डा. अनिल कुमार, डा. रीनू यादव, सुनिता यादव और नीलम यादव ने निभाई। डा. अनिल कुमार यादव ने सभी का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर डा. सोनिया यादव, डा. प्रदीप, डा. राकेश, वीरेंद्र, रवीन्द्र, निर्मला, सुशीला व मधु बाला सहित अनेक छात्राएं उपस्थित थी।

लघु सचिवालय में हुआ जिला स्तरीय कार्यक्रम

पेपल लेस रजिस्ट्री सहित अन्य राजस्व से जुड़ी प्रणाली का हुआ शुभारंभ

- हरियाणा देश का पहला प्रदेश, जिसमें रजिस्ट्री के लिए ऑनलाइन पंजीकरण होगा: विधायक लक्ष्मण सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। सचिवालय सभागार में आयोजित जिलास्तरीय कार्यक्रम में मौजूद विधायक व अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

सोमवार को राजस्व विभाग की नई पहल कार्यक्रम के तहत जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन लघु सचिवालय सभागार में हुआ। विधायक लक्ष्मण सिंह यादव, बावल से विधायक डा. कृष्ण कुमार व कोसली से विधायक अनिल यादव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता डीसी अभिषेक मीणा ने की, जबकि भाजपा जिलाध्यक्ष डा. वंदना पोपली विशिष्ट अतिथि रही। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कुरुक्षेत्र के बाबैन से पेपर रहित रजिस्ट्री प्रणाली, पेपर रहित निशानदेही, व्हाट्सएप चैटबॉट व राजस्व न्यायालय निगरानी प्रणाली के शुभारंभ का प्रसारण किया गया। इस अवसर पर अतिथियों ने जिला सचिवालय परिसर में पौधारोपण भी किया।

हरियाणा पहला प्रदेश जहां रजिस्ट्री प्रक्रिया पूर्ण ऑनलाइन: लक्ष्मण

विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने कहा कि राजस्व विभाग समाज का महत्वपूर्ण अंग है। इसके अधिकारियों और कर्मचारियों का सीधा लोगों से जुड़ाव होता है। पेपरलेस सिस्टम से समाज में बहुत बड़ा बदलाव आएगा। हरियाणा देश का पहला प्रदेश होगा, जिसमें रजिस्ट्री के लिए ऑनलाइन पंजीकरण होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पारदर्शिता के लिए सरकार द्वारा लगातार कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पैमाइश को भी ऑनलाइन करके लोगों को राहत देने का कार्य सरकार ने किया है। वहीं राजस्व कोर्ट प्रणाली की मॉनिटरिंग भी ऑनलाइन करके अच्छी पहल की शुरूआत की है। इससे लोग इस कोर्ट संबंधी तारीख केस और स्टेट्स ऑनलाइन देख सकेंगे। वहीं आमजन की सुविधा के लिए व्हाट्सएप चैटबॉट प्रणाली शुरू करके राहत दी है। बावल के विधायक डा. कृष्ण कुमार ने कहा कि पेपरलेस प्रणाली से अब और अधिक पारदर्शिता आएगी और लोगों को कार्यालयों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। उन्होंने कहा कि आज पूरे प्रदेश में डिजिटल क्रांति का सूत्रपात हो रहा है और सरकार आम जन मानस तक घर बैठे सरकारी सेवाएं प्रदान कर रही है। कोसली के विधायक अनिल कुमार यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राजस्व विभाग में पेपरलेस प्रणाली की शुरूआत की है, यह सरकार की काफी अच्छी पहल है। ससे अब आमजन घर बैठे ही अपने केस संबंधी स्टेट्स रिपोर्ट जान सकेंगे।

यह रहे कार्यक्रम में मौजूद

इस अवसर पर एडीसी राहुल मोदी, एसी यूटी रूहानी, एसडीएम सुरेश कुमार, एसडीएम बावल मनोज कुमार, एसडीएम कोसली विजय कुमार, सीटीएम जितेंद्र कुमार, डीआरओ प्रदीप देशवाल, डीडीपीओ एचपी बंसल व भाजपा जिला महामंत्री संदीप चौहान सहित राजस्व विभाग के सभी अधिकारी व कर्मचारीगण मौजूद रहे।

श्रीराम व लक्ष्मण के रूप पर मोहित हुई शूर्पनखा खर-दूषण का हुआ वध

रेवाड़ी। श्री घंटेश्वर महादेव मंदिर आदर्श रामलीला के मंच पर रविवार रात्रि भरत मिलाप, शूर्पनखा की नाक काटने से लेकर खर-दूषण के वध तक की लीला का मंचन किया गया। जब ननिहाल से भरत और शत्रुघ्न अयोध्या लौटते हैं तो श्रीराम व लक्ष्मण को अयोध्या में न देखकर सारी बातों का पता कर श्रीराम से मिलने वन की ओर प्रस्थान करते हैं।

सूचना

मैं, सुमित्रा देवी पत्नी स्वर्गीय एसआई देव राज, गांव व डा० लिलोढ़ तह कोसली जिला रेवाड़ी हरियाणा बयान करती हूं कि मेरे पति के सेवा अभिलेखों में मेरा नाम गलती से सुमित्रा व जन्म तिथि 12-10-1958 दर्ज है। जबकि मेरा सही व वास्तविक नाम सुमित्रा देवी व सही जन्म तिथि 15-03-1957 हैं। यह सूचना सभी उद्देश्यों और प्रयोजनों के लिए मेरा नाम सुमित्रा देवी और जन्म तिथि 15-03-1957 मेरे पति के सेवा अभिलेखों में संशोधित कराने के लिए है।

खबर संक्षेप

श्याम बाबा के जागरण में बही भक्ति की रस धारा

धारूहेड़ा। गांव नंदरामपुर बास में रविवार रात्रि एक शाम खाटू वाले बाबा के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महेश बोहरा की ओर से आयोजित जागरण का शुभारंभ में सीएम के पूर्व ओएसडी अभिमन्यु ने किया। उन्होंने कहा कि खाटू श्याम बाबा की भक्ति में डूबा हुआ वातावरण, भजन-कीर्तन और श्रद्धालुओं का उत्साह मन को अपार शांति और आनंद देता है। जागरण में बाबा का दरबार फूलों एवं लाइटों से सजाया गया। गायब कलाकारों ने पूरी रात भजन सुनाकर समां बांधा। गायकों ने कोई प्यार से मेरे श्याम को पुकारो, देना है तो दीजिए जन्म-जन्म का साथ व मेरे दुख के दिनों में वो बड़ा काम आता ह सहित अनेक भजनों से श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर किया। जागरण के समापन पर खाटू श्याम बाबा की आरती करके भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया।

सोमवार को लघु सचिवालय सभागार में रजिस्ट्री क्लर्क किए नियुक्त

अब प्रत्येक पांच माह में ड्रा से तहसील व उप तहसील में लगेंगे रजिस्ट्री क्लर्क

खास बातें

- भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने व पारदर्शिता की दिशा में ठोस कदम उठाया
- किसी भी तहसील-उप तहसील पर ऑफलाइन रजिस्ट्री पंजीकरण कार्य न किया जाए

रेवाड़ी। रजिस्ट्री क्लर्क नियुक्त करने के लिए ड्रा निकालते हुए विधायक व अधिकारी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

जिला प्रशासन की ओर से भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने की दिशा में ठोस कदम उठाते हुए पारदर्शिता के साथ सभी तहसील व उप तहसील में ड्रा प्रक्रिया से रजिस्ट्री क्लर्क लगाने की नई शुरूआत की है। सोमवार को लघु सचिवालय परिसर में जिले के तीनों विधायक लक्ष्मण सिंह यादव, डा.कृष्ण कुमार व अनिल यादव की उपस्थिति में ड्रा ऑफ लॉट के माध्यम से जिले की सभी तहसील-उप तहसील में रजिस्ट्री क्लर्क लगाए गए। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि मंगलवार से पूरे जिले में किसी भी तहसील-उप तहसील पर ऑफलाइन रजिस्ट्री पंजीकरण कार्य न किया जाए। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि राजस्व विभाग में जिस प्रकार हरियाणा सरकार पूरी सजगता के साथ डिजिटल प्लेटफार्म पर जन सेवाएं प्रदान कर रही है, ठीक उसी अनुरूप जिले में पारदर्शिता व निष्पक्षता बनाए रखते हुए सभी तहसीलों में 5 माह से अधिक कार्य कर रहे रजिस्ट्री क्लर्क को हटाकर उनके स्थान पर ड्रा के माध्यम से आबंटित तहसीलों में रजिस्ट्री क्लर्क नियुक्त किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक स्तर पर यह कदम भ्रष्टाचार के खिलाफ उठाए गए अहम कदमों में शामिल रहेगा। सोमवार को रेवाड़ी से विधायक लक्ष्मण सिंह, बावल से विधायक डा.कृष्ण कुमार व कोसली से विधायक अनिल कुमार यादव सहित भाजपा जिलाध्यक्ष डा.वंदना पोपली ने जिले के रजिस्ट्री क्लर्क के पात्र क्लर्क की उपस्थिति में तहसील वाइज ड्रा के माध्यम से रजिस्ट्री क्लर्क को तहसील आबंटित की।

स्टाफ मुहैया कराने की दिशा में यह कदम उठाया गया

डीसी ने कहा कि सरकार की ओर से जिस प्रकार हाल ही में तहसीलदारों व नायब तहसीलदारों के स्थानांतरण करते हुए उन्हें नई तहसीलें अलॉट की हैं। ऐसे में नया स्टाफ भी जिला प्रशासन की ओर से मुहैया कराने की दिशा में यह ड्रा का कदम उठाया गया है। सभी नए रजिस्ट्री क्लर्क को सोमवार को ही डीआरओ प्रदीप देशवाल की देखरेख में प्रशिक्षण दिया गया और उन्हें मंगलवार से नए स्थान पर कार्यभार संभालने के आदेश दिए गए हैं। उन्होंने नवनियुक्त आरसी को सचेत किया कि यदि किसी भी रूप से भ्रष्टाचार करने की उन्हें शिकायत मिलती है तो वे तुरंत प्रभाव से नियमानुसार कार्यवाही करने में पीछे नहीं रहेंगे। उन्होंने बताया कि अब भविष्य में हर पांच माह के उपरांत रजिस्ट्री क्लर्क के पद के लिए ड्रा प्रक्रिया अमल में लाई जाएगी ताकि निरंतर परिवर्तन होता रहे।

ड्रा से इन तहसीलों में नियुक्त हुए रजिस्ट्री क्लर्क

ड्रा के माध्यम से रेवाड़ी तहसील के लिए देवेंद्र को आरसी व सुबोधकांत को एआरसी लगाया गया है। बावल तहसील में रविंद्र यादव को आरसी, डहीना उपतहसील में भुवनेश्वर को आरसी, पाल्हावास उप तहसील में अरविंद को आरसी, मनेठी उप तहसील में ललित को आरसी व धारूहेड़ा उप तहसील के लिए अनुज को आरसी लगाया गया है। कोसली तहसील व नाहड़ उप तहसील में अभी चार माह पूर्व ही आरसी लगाए गए हैं, ऐसे में उक्त तहसील व उप तहसील के लिए ड्रा अगले माह करते हुए नए आरसी की नियुक्ति की जाएगी। इस अवसर पर एडीसी राहुल मोदी, एसी यूटी रूहानी, एसडीएम सुरेश कुमार, एसडीएम बावल मनोज कुमार, एसडीएम कोसली विजय कुमार, सीटीएम जितेंद्र कुमार व डीआरओ प्रदीप देशवाल सहित जिले के सभी तहसीलदार व नायब तहसीलदार मौजूद थे।

रेवाड़ी। अनाजमंडी में रामलीला का मंचन करते कलाकार। फोटो :हरिभूमि

रावण ने मारीच संग बनाई सीता हरण की योजना

रेवाड़ी। श्री शिव रामलीला समिति नई अनाज मंडी में रविवार रात्रि प्रधान नवल किशोर गुप्ता की अध्यक्षता व महासचिव दीपक मंगला के संयोजन में भरत मिलाप से शुरू करके शूर्पनखा की नाक काटना, खर-दूषण वध व मारीच महल में सीताहरण योजना तक की रामलीला दिखाई गई। लीला का शुभारंभ मुख्यातिथि दिनेश गोयल व उनकी पत्नी सविता गोयल ने किया। मंच संचालन एडवोकेट भूपेन्द्र गुप्ता ने किया। रामलीला में राम का अभिनय आशीष शर्मा सीता का अभिनय हर्ष गुप्ता, लक्ष्मण का अभिनय नवीन लखेरा, रावण संजीव वशिष्ठ, विभिषण बीडी अग्रवाल, मेघनाद संजय सोनी, भरत मुकेश चावरिया, शत्रुघन एकांश, निषाद राज विपिन अग्रवाल, गुरू वशिष्ठ प्रकाश सैनी, भील नितिन चावरिया, कौशल्या राजेश सैनी, कैकई गिरिश गुप्ता, सुमित्रा अशोक, खर पवन डाबला, दूषण अनिल रामपुरा,शूर्पनखा सोमेश सैनी, मारीच पंडित किशनचंद वशिष्ठ तथा मंत्री व प्राइवेट सेना में राजे, बब्लू, उज्जवल, नरेन्द्र यादव ने अभिनय किया। इस मौके पर पवन गर्ग सीईओ, साक्षी गर्ग, अनिता गर्ग मौजूद थे। रामलीला में मुख्य संरक्षक लक्ष्मण सिंह यादव विधायक, मुख्य संरक्षक नरेश मित्तल, राकेश कुमार, उपप्रधान अनिल गोयल, राकेश गोयल, विनयशील गोयल, गिरीश सिंगला, प्रेस सचिव नितेश अग्रवाल, हाउस इंचार्ज लक्ष्मीनारायण बंसल, सन्नी गोयल, विनोद डाटा, हरिराम सैनी, संजय चौहान, मीरा रानी, लक्ष्मी गुप्ता, उषा मंगला, अंकिता गुप्ता, अर्चना गोयल, पुष्पा गोयल व हितेरू गुप्ता का सहयोग रहा।

रेवाड़ी। अनाजमंडी में रामलीला का मंचन करते कलाकार। फोटो :हरिभूमि

लक्ष्मण ने काटी शूर्पनखा की नाक, सीता हरण मंचित

धारूहेड़ा। कस्बे के लाला मनीराम बाग में चल रही रामलीला में रविवार रात्रि सीता हरण का मंचन किया गया। श्रीराम रामलीला क्लब के रामलीला मंचन में पंचवटी में राम और लक्ष्मण को देखकर शूर्पनखा दोनों पर मोहित हो जाती है और उनसे विवाह करने के लिए आग्रह करती है, लेकिन राम और लक्ष्मण दोनों शूर्पणखा के प्रस्ताव को अस्वीकार कर देते हैं। इसके बाद शूर्पनखा अपने असली स्वरूप में आती है और माता सीता पर झपटने का प्रयास करती है। तभी लक्ष्मण शूर्पनखा के नाक और कान काट देते है। शूर्पनखा अपने भाई खर और दूषण के पास जाकर उनसे बदला लेने के लिए कहती हैं, जिसके बाद खर-दूषण और राम में भयंकर युद्ध होता हैं, जिसमे दोनों राक्षस मारे जाते हैं। शूर्पनखा ये समाचार बताने रावण के पास जाती हैं। रावण बदला लेने के लिए सीता हरण के लिए मामा मारीच से मिलता हैं तथा उसे माया मृग बन जाने का आग्रह करता हैं। मारीच सोने का हिरण बनकर सीता के सामने जाता हैं तो सीता राम से उसे लाने का आग्रह करती हैं। राम सोने के मृग के पीछे चले जाते हैं। पीछे से रावण साधू का वेश बनाकर भिक्षा के बहाने सीता का हरण कर लेता हैं। लंका ले जाते समय रावण और गिद्धराज जटायु का भयंकर युद्ध होता हैं और जटायु घायल हो जाता हैं। इधर सीता को पंचवटी में न पाकर राम व्याकुल हो जाते हैं और विरह वेदना से त्रस्त हो जाते हैं।

रेवाड़ी। सीता हरण के बाद शबरी से मिलते श्रीराम-लक्ष्मण। फोटो :हरिभूमि

पंचवटी से सीता का हरण कर ले गया रावण, श्रीराम ने खाए शबरी के झूठे बेर और बाली का किया वध

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेलवे कॉलोनी में श्री राम मंदिर रेलवे ड्रामेटिक क्लब की ओर से चल रहे 65वें रामलीला उत्सव का रविवार रात्रि पंडित मोहन लाल शर्मा के मंत्रोच्चारण व पूजन के बाद सुंदर सिंह बावल वाले ने उद्घाटन किया। रामलीला का निर्देशन केके सक्सेना कर रहे है। रामलीला के मंचन के दौरान रावण मामा मारीच को हिरण के रूप में पंचवटी भेजता है, जिसको पकड़ने के लिए सीता प्रभु श्रीराम को भेजती है। श्रीराम की आवाज आने पर माता सीता के कहने पर लक्ष्मण सहायता के लिए चले जाते है, जिसका लाभ उठाकर रावण साधु के भेष में सीता का हरण कर लेता है। रास्ते में जटायु महाराज सीता को रावण से छुडाने की काफी कोशिश करते है, रावण उनके पंख काट देता है। जब राम व लक्ष्मण वापस पंचवटी पहुंचते है तो सीता को वहां पर न पाकर बहुत दुखी होते है और उनकी खोज में निकल जाते है। रास्ते में घायल जटायु श्रीराम को सारा वृतांत सुनाकर प्राण त्याग देते है। प्रभु श्रीराम की शबरी से भेंट होती है, जोकि वर्षो से प्रभु राम का इंतजार कर रही होती है। शबरी श्रीराम को झूठे बेर खिलाती है और किष्किंधा पर्वत के राजा सुग्रीव से मिलने का अनुग्रह करती है।

इन कलाकारों ने निभाए किरदार

रामलीला में रावण का किरदार मुकेश भारद्वाज, मारीच-राजेश शर्मा, जटायु-जितेश, राम-दिवेश शर्मा, लक्ष्मण-मोहित यादव, सीता-प्रिंस, शबरी-मेहरचंद, सुग्रीव-भगत, जामवंत-नरेन्द्र गोयल, हनुमान-उमेश शर्मा, बाली-निखिल रोहिल्ला, मंत्री-रोहित, तारा-जितेश, नल-लक्ष्य शर्मा, नील-लक्ष्य कौशिक, बाल अंगद-नवीन व राजा का अभिनय महेश कुमार, जगदीश शर्मा व सागर ने किया।

आरपीएस कोसली में स्कॉलरशिप परीक्षा आयोजित

विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोसली

आरपीएस स्कूल कोसली में स्कॉलरशिप परीक्षा का आयोजन किया गया,जिसमें कक्षा प्रथम से गयारहवी कक्षा तक के हजारों विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रधानाचार्या अंजू यादव ने कहा कि परीक्षा का मुख्य उद्देश्य बच्चों की बौद्धिक क्षमता का आंकलन एवं होशियार और आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम है, जो हमें सफलता की ओर अग्रसर करता है। परीक्षा हमें हमारी कमियों और ताकत के बारे में बताती है। परीक्षा के लिए स्कूल परिसर में कक्षा वार हेल्प डेस्क स्थापित किए गए। बच्चों को परीक्षा दिलवाने आए अभिभावकों को स्कूल की उपलब्धियों के बारे में बताया गया। छात्रों तथा अभिभावकों ने स्कूल का भ्रमण कर

सुविधाओं की जानकारी ली। परीक्षा के शांतिपूर्ण संचालन में समस्त स्टाफ का सहयोग रहा। इस अवसर पर आरपीग्रुप के सीईओ मनीष राव ने कहा कि उनका लक्ष्य प्रत्येक तबके के विद्यार्थियों को बिना किसी भेदभाव के सर्वोत्तम शिक्षा उपलब्ध कराना है। चेयरपर्सन डा. पवित्रा राव ने कहा कि आरपीएस ग्रुप अभिभावकों के विश्वास को बनाए हुए है, जिसका परिणाम है की बच्चे शिक्षा के साथ हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहे है। आरपीएस ग्रुप के डिप्टी सीईओ कुणाल राव ने सभी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया।

विद्यार्थियों ने आईटीआई का किया भ्रमण

रेवाड़ी। शहीद हरलाल पीएमश्री राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बोड़िया कमालपुर के विद्यार्थियों ने सोमवार को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बेरली कलां का भ्रमण किया। कार्यक्रम प्रभारी अध्यापक नरेंद्र कुमार के नेतृत्व में विद्यार्थियों का दल तकनीकी संस्थान पहुंचा। कार्यक्रम प्रभारी ने बताया कि हरियाणा शिक्षा विभाग के व्यवसायिक शिक्षा का अनुभव कार्यक्रम के तहत संस्थान का भ्रमण किया, जिसमें कक्षा छठी से आठवीं के विद्यार्थियों ने भाग लिया। संस्थान के अनुदेशक विक्रम यादव ने विद्यार्थियों को कोपा लैब, प्लंबर, फिटर, इलेक्ट्रॉनिक,आरेखकार, ड्रेस मेकिंग, इंटीरियर डिजाइनर, वेल्डर एवं सोलर तकनीक की गतिविधियों से अवगत कराया। संस्थान के प्रधानाचार्य जयदीप कादयान ने विद्यार्थियों को संस्थान में प्रवेश लेने की प्रक्रिया की जानकारी दी।

रेवाड़ी। भ्रमण के दौरान शिक्षकों के साथ विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

एनसीबी टीम ने नशा तस्करों के खिलाफ चलाया अभियान, स्नीफर डॉग के साथ ली तलाशी

रेवाड़ी। हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो यानि एचएसएनसीबी की जिला यूनिट ने सोमवार को नशा तस्करों पर कार्यवाही के लिए शहर के हॉट स्पॉट इलाकों में छापामार कार्रवाई की। एनसीबी टीम ने मोहल्ला बलभद्र सराय, शास्त्री नगर, गुर्जरवाड़ा और अजय नगर में संदिग्ध नशा तस्करों के ठिकानों पर छापेमारी की। कार्यवाही के दौरान एनसीबी जिला यूनिट ने स्नीफर डॉग की मदद से घर-घर जाकर तलाशी ली। एनसीबी जिला यूनिट इंजार्च निरीक्षक नीरज कुमार ने अभियान का नेतृत्व किया। अभियान दौरान एनसीबी की टीम ने स्थानीय स्तर पर चिन्हित तस्करों के संभावित अड्डों पर रेड की। तलाशी के समय इलाके में सख्त पहरा रहा और आसपास के लोगों को भी नशे के खिलाफ जागरूक किया गया कि नशे के कारोबार को बढ़ावा देने वालों की सूचना तुरंत ब्यूरो को दें। एनसीबी इंचार्ज नीरज कुमार ने कहा कि छापेमारी का मुख्य उद्देश्य जिले में नशा तस्करी की गतिविधियों को तोड़ना और युवाओं को इस जाल से बचाना है। उन्होंने बताया कि लगातार मिल रही सूचनाओं और खुफिया इनपुट के आधार पर अभियान चलाया गया। एनसीबी टीम ने कहा कि शहर में किसी भी प्रकार का प्रतिबंधित नशा बेचे जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी और न ही नशा तस्करी करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आमजन से अनुरोध करते हुए कहा कि नशा तस्करों व नशे से संबंधी किसी भी सूचना को ब्यूरो की हेल्पलाइन 90508-91508, टोल-फ्री नंबर 1933 या वेबसाइट एनसीबीमानस.जीओवी.इन पर साझा करें।

रेवाड़ी। स्नीफर डॉग की मदद से तलाशी लेती एनसीबी टीम।

एक करोड़ के खेल स्टेडियम की दुर्दशा, खिलाड़ियों को लंबे समय से नहीं मिल रही सुविधा

रेवाड़ी। धारूहेड़ा के खेल स्टेडियम की दयनीय हालत। फोटो :हरिभूमि

रेवाड़ी/धारूहेड़ा। करीब 50 हजार आबादी वाले कस्बा धारूहेड़ा में 15 साल पहले करीब एक करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया खेल स्टेडियम वर्तमान में बदहाली की हालात में पहुंच चुका है। पंचायत की चार एकड़ की भूमि पर बने खेल स्टेडियम के मैदान में वर्तमान में मैदान खरपतवार और झाड़ियां फैली हुई हैं, जिससे रोजाना अभ्यास करने वाले करीब 50 युवाओं को परेशानी झेलनी पड़ रही हैं। वर्ष 2006 में सरपंच रहे कंवर सिंह यादव ने खेल स्टेडियम के लिए पंचायती भूमि मुहैया कराई थी। खेल विभाग की ओर से देखरेख व मेंटेनेंस के अभाव में खेल स्टेडियम जर्जर अवस्था में पहुंच चुका है। खेल स्टेडियम में सुविधाओं के अभाव में खिलाड़ी चोटिल भी हो रहे हैं। स्टेडियम में मुख्य द्वार से अंदर तक जगह-जगह खरपतवार व कंटीली झाड़िया ऊगी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि खेलों को बढ़ावा देने से युवाओं को नशे से दूर रखा जा सकता है। गत वर्ष में युवा तीन बार अपने स्तर पर ही खेल स्टेडियम की सफाई करा चुके हैं। स्टेडियम जाने का रास्ता भी बदहाल स्थिति में है। स्टेडियम के पास ही कचरा डंपिंग यार्ड बनाया हुआ है, जिससे खिलाड़ियों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ रहा है। ग्रामीणों की ओर से कई बाद शिकायत देने के बाद भी डंपिंग यार्ड को खत्म नहीं किया जा रहा है।

स्टेडियम में युवाओं को मिले सभी सुविधाएं

खेल स्टेडियम में युवाओं के लिए सभी सुविधाएं होनी चाहिए ताकि खिलाड़ी खेलों का अभ्यास ठीक से कर सकें। स्टेडियम के साथ कचरा डंपिंग यार्ड को भी हटाया जाना चाहिए ताकि युवाओं को शुद्ध वातावरण मिल सकें।
कंवर सिंह यादव, नपा चेयरमैन।